प्रदान की गई साधन आय = 600 रु. – 64 रु. – 40 रु. + 16 रु. + 8 रु. –

उत्तर—504 रु.। राष्ट्रीय आय मापन कि दूसरी विधि

## II. आय विधि या उत्पादन प्रक्रिया में साधन आय

## (INCOME METHOD OR FACTOR INCOME IN THE PRODUCTION PROCESS)

उत्पादन के साधन, उत्पादन में योगदान इसलिए देते हैं क्योंकि उन्हें इनके लिए पुरस्कार मिलता है। उत्पादन के साधनों द्वारा अर्जित इस प्रकार का पुरस्कार '**साधनों की आय**' (Income of Factors) कहलाता है। दूसरे शब्दों में, आय विधि के अनुसार उत्पादन के विभिन्न साधनों के द्वारा उत्पादन में उनकी सेवाओं के प्रतिफलस्वरूप मिलने वाले भुगतान अर्थात् साधनों की आय का योग करते हैं। इस योगफल को घरेलू आय कहते हैं। यदि इस योग में **विदेशों से अर्जित शुद्ध आय** जोड़ दें तो राष्ट्रीय आय बन जाती है। संक्षेप में, **राष्ट्रीय आय** = मजदूरी + लगान + ब्याज + लाभांश + अवितरित लाभ + निगम लाभ कर + सार्वजनिक क्षेत्र का अधिशेष + मिश्रित आय + विदेशों से अर्जित शुद्ध आय।

इस विधि को वर्गीकृत कार्यों के अनुसार विधि (Distributed Share Method) या साधन भुगतान विधि (Factor Payment Method) भी कहा जाता है।

**परिभाषा** (Definition)—"आय विधि वह विधि है जो एक लेखा वर्ष में उत्पादन के साधनों (श्रम, पूँजी, भूमि व उद्यम) को उसकी उत्पादक सेवाओं के बदले में क्रमशः मजदूरी, लगान, ब्याज तथा लाभ के रूप में किये गये भुगतान की गणना करके राष्ट्रीय आय की माप करती है।"

**आय विधि द्वारा राष्ट्रीय आय मापने के कदम** (Steps in Estimation of National Income using Income Method)—आय विधि के द्वारा राष्ट्रीय आय ज्ञात करने के निम्नलिखित कदम हैं :

**पहला कदम** (First Step)—**साधन आय का वर्गीकरण** (Classification of Factor-Income)—साधन आय को मुख्य रूप से अग्रलिखित भागों में बाँट लिया जाता है :

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

(1) **कर्मचारियों का पारिश्रमिक** (Compensation of Employees)—इसके अन्तर्गत (i) मजदूरी तथा वेतन, (ii) किस्म के रूप में आय (Payment in Kind) तथा (iii) सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में मालिकों के योगदान को शामिल किया जाता है।

(2) **परिचालन अधिशेष** (Operating Surplus)—इसके अन्तर्गत सम्पत्ति तथा उद्यमशीलता से प्राप्त आय को शामिल किया जाता है। यह अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों अर्थात् निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र दोनों के ही उद्यमों में उत्पन्न होता है, परन्तु सामान्य सरकारी क्षेत्र में परिचालन अधिशेष उत्पन्न नहीं होता। परिचालन अधिशेष में निम्नलिखित मदें शामिल की जाती हैं :

(i) लगान, (ii) ब्याज, (iii) लाभ (लाभांश + निगम कर + उद्यमों की बचत या अवितरित लाभ)।

(3) **मिश्रित आय** (Mixed Income)—स्वनियोजित आय को मिश्रित आय कहते हैं। वह व्यक्ति जो एक ओर साधन सेवाएँ प्रदान करते हैं और दूसरी ओर, स्वयं ही वस्तुओं का उत्पादन करते हैं, मिश्रित आय प्राप्त करते हैं। एकाकी उत्पादन इकाइयों द्वारा अर्जित आय; जैसे—दुकान, वकील, डॉक्टर, बढ़ई तथा कृषक आदि की आय मिश्रित आय या स्वनियोजित आय कहलाती है। मिश्रित आय के अन्तर्गत कृषि कार्य, स्वामित्व से आय तथा पेशेवर आय लेते हैं। मिश्रित आय राष्ट्रीय आय की गणना करते समय अवश्य शामिल की जाती है।

उपरोक्त तीनों मदों से प्राप्त आय जोड़कर शुद्ध घरेलू आय का अनुमान लगाया जाता है अर्थात्

शुद्ध घरेलू आय = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + परिचालन अधिशेष + मिश्रित आय।

(4) **विदेशों से शुद्ध साधन आय** (Net Factor Income from Abroad)—किसी भी अर्थव्यवस्था के कुल आयात और निर्यात के अन्तर को विदेशी शुद्ध परिसम्पत्ति आय कहते हैं। इसे शुद्ध निर्यात भी कहते हैं। मोटे तौर पर विदेशों में निम्नलिखित भौतिक और अभौतिक वस्तुओं का निर्यात किया जाता है—(i) स्वदेश से विदेश में जनशक्ति तथा मौलिक वस्तुएँ पहुँचाना। (ii) पर्यटकों द्वारा ऐतिहासिक एवं अन्य आकर्षक भवनों को देखने के लिए विदेशों से स्वदेश में आना। (iii) बैंकों और बीमा कम्पनियों द्वारा सहायताएँ उपलब्ध करवाना।

शुद्ध विदेशी साधन आय को शुद्ध घरेलू आय में जोड़कर राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाया जाता है अर्थात्

**राष्ट्रीय आय** = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + परिचालन अधिशेष + मिश्रित आय + शेष संसार से शुद्ध साधन आय।